34
96

श्री सीताराम सहस्त्र नामावली

श्री १०८ श्री रामशरण मौनीराम जी की ओर से

छपवाकर विना मूल्य वितरित

रामघाट श्री सरजु तट, अवधपुरी सुखधाम।
राम-ध्वनि-मय नौमि नित, गुरुवर मौनीराम॥

नाम काम तरु काल कराला।
सुमिरत शमन सकल जगजाला॥

नहिं कलि करम न धरम विवेकू।
राम नाम अवलम्बन एकू॥

राम नाम मणि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसि उजियार॥

दीपावली संवत् १९८९ वि०

श्री सीताराम सहस्त्र नामावली

आपदामपहन्तारं दातारम् सर्व सम्पदाम् ।
लोकाभिरामम् श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम् ॥

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सोताराम सीताराम सीताराम सोताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सोताराम सीताराम सीताराम सोताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सोताराम सीताराम सीताराम सोताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताशम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सोताराम सीताराम सीताराम सोताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीतागम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सोताराम सीताराम सीताराम सोताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीतागम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
मीताराम मीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम
सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम सीताराम

श्रीगुरुवर-आरती

राज राजं रघुवरं कौशल्यानन्द वर्द्धनम् ।
भर्गं वरेण्यं विश्वेशं रघुनाथं जगद्गुरुम् ॥

मंगल आरती गुरुजी चरन की । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी ॥ मंगलआरती गुरुजी चरनकी ॥१॥ धूप दीप नैवेद्य आरती, चन्दन पुष्प सों पूजा करनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥२॥ गुरुजीके चरनमें चिन्ह विराजें जगमग जगमग जोति नखनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥३॥ चार आरती चित्तमें धारै नौका भवनिधि पार करनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥४॥ कटि केहरि कोपीन बिराजै, युगल आरती जन सुधरनकी । जन सुधरन रामा विषय

हरनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगलआरती गुरु जी चरनकी ॥ ५ ॥ मुख मयङ्ककी एक आरती, शोभा अमित अरुण अधरनकी । अरुण अधरनकी बचन मधुरनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥६॥ सर्व अङ्ग की सात आरती हियके दिव्य नयन उघरनकी । नयन उघरन रामा मंत्र श्रवणकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥ ७ ॥ तुलसी तिलक भाल छबि उपमा प्रातकाल के सूर्य-किरनकी । सूर्य-किरन हृदय-कमल खिलनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥ ८ ॥ सरयू जलको आरघ दीजै बार बार गुरु चरन परनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी ।

मंगल आरेती गुरुजी चरनकी ॥ ९॥ गुरुजीकी सात-पैकरमा कीजै, दुख नाशै चौरासी भ्रमनकी ॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी। मंगल आरती गुरुजी चरन की ॥१०॥ गुरुजी चरन चरनामृत लीजै, डर छूटै जग जरा मरणकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी। गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी । मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥११॥ जो जन गुरुजीकी आरती गावैं, मातु पिता कुल तारन तरनकी ॥ मङ्गल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी। मंगल आरती गुरुजी चरनकी॥१२॥ जन रघुनाथ गुरुजी आरती गाये, रामचन्द्रजी के दर्शन पाये । दर्शन पाये रामा सुमन बर्षाये॥ मंगल आरती गुरुजी चरनकी । गुरुजी चरन सीतारामजी चरनकी। मंगल आरती गुरुजी चरनकी ॥१३॥ कविं पुराणं पुरुषं पुरस्तात् सनातनं योगिनमीशितारम् ॥ अणोरणीयान् समनन्त वीर्यं प्राणेश्वरं राममसौ ददर्श ॥१४॥ श्रीगुरुदेवार्पणमस्तु ॥

नाम-माहिमा

एहि महँ रघुपति नाम उदारा ।
अति पावन पुरान श्रुति सारा ।।
कहउँ कहां लगि नाम बड़ाई ।
राम न सकहिं नाम गुन गाई ।।
चहुँ जुग तीनि काल तिहुँ लोका ।
भये नाम जपि जीव विशोका ।।
वेद पुरान सन्त मत एहू ।
सकल सुकृत फल राम सनेहू ।।

❋ ❋ ❋

सत्य सनेह दया दृढ़ता जब सीस धरे भ्रम के घट फूटे ।
एकमई जब जान पड़ी तब द्वैत के ताग तड़ाक से टूटे ।।
वेद-बड़ाई औ कर्म-शुभाशुभ नेम अचार तबै सब छूटे ।
जन रघुनाथ-निरंजन-निर्गुण नयनन में नयना जब जूटे ।।

❋ ❋ ❋

जासु नाम भव भेषज, हरण घोर त्रयशूल ।
सो कृपालु मोहिं तोहिं पर, रहहिं सदा अनुकूल ।।

यह पुस्तक

श्री १०८ श्री रामशरण मौनीराम जी

की सेवा में

अत्यन्त श्रद्धा के साथ

समर्पित है।

विनीता——एक महिला।

कला प्रेस, प्रयाग।